हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 14 सितंबर 2026

04 हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी आज, शिव आराधना के साथ घर...



07 शिवना की स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारीः विधायक



खबर संक्षेप

5 प्रकरणों में 44 पाव देशी मदिरा जब्त

सीहोर। कलेक्टर बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं क्रय-विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी दीपेश राजोरिया ने बताया कि आबकारी बल के सहयोग से वृत्त सीहोर के जमोनिया रोड क्षेत्र में सहायक जिला आबकारी अधिकारी संगीता नायक द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध 04 प्रकरण कायम कर 32 पाव देशी मदिरा जब्त की गई। इसी प्रकार वृत्त बुधनी में आबकारी उपनिरीक्षक माधव कुण्डल एवं आबकारी टीम द्वारा ग्राम शाहगंज में दबिश देकर 01 प्रकरण कायम करते हुए 12 पाव देशी मदिरा जब्त की गई। इस प्रकार जिले में कुल 5 प्रकरणों में 44 पाव देशी मदिरा जब्त की गई, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 3,520 रुपए है। सभी प्रकरणों को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी संगीता नायक, आबकारी उपनिरीक्षक माधव कुण्डल एवं आबकारी दल का सराहनीय योगदान रहा। अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अंतिम अतिरिक्त सीएलसी चरण 16 तक

सीहोर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। इसके लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण 12 से 16 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा पूर्व में जारी आदेश के अनुसार रिक्त सीटों पर "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया 21 से 31 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। छात्र हित में विद्यार्थियों को रिक्त सीटों पर प्रवेश का अतिरिक्त अवसर प्रदान करने के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण की अवधि में वृद्धि की गई है। अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग चरण के तहत 12 से 16 सितंबर तक शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में प्रवेश की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। विद्यार्थी उपलब्ध रिक्त सीटों का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में संबंधित महाविद्यालय में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण कर सकते हैं।

नौवीं की आधी पढ़ाई किताबों के इंतजार में, भाग-2 अब तक बाजार से नदारद

असमंजस - गणित और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकें नहीं मिलीं, भाग-1 का सेट हुआ पूरा, पालकों ने सीबीएसई से हस्तक्षेप की मांग की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीबीएसई स्कूलों में कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों की पढ़ाई नए पाठ्यक्रम के फेर में उलझ गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू हुए कई महीने बीतने के बाद भी गणित और सामाजिक विज्ञान की भाग-2 की पाठ्यपुस्तकें बाजार और स्कूलों में उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। स्थिति यह है कि विद्यार्थियों को भाग-1 की सभी किताबें भी कुछ ही दिन पहले पूरी तरह मिल सकी हैं। अब दूसरे भाग की किताबों का इंतजार है, जबकि स्कूलों में आगे की कक्षाएं चल रही हैं। इससे विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के सामने पाठ्यक्रम पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। नए सत्र में कक्षा नौवीं का पाठ्यक्रम बदला गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और एनसीएफ-एसई 2023 के अनुरूप एनसीईआरटी की नई पुस्तकों को लागू किया गया है। पुराने पाठ्यक्रम से हटकर योग्यता आधारित पढ़ाई पर जोर दिया गया है। नए पाठ्यक्रम के साथ किताबों के नाम और विषयवस्तु में भी बदलाव किए गए हैं, इसके बावजूद नई किताबों की उपलब्धता समय पर नहीं हो सकी।

गणित-सामाजिक विज्ञान की किताबों का इंतजार

अभिभावक लखन कलेसरिया, रोहित ठाकुर के अनुसार कक्षा नौवीं की गणित भाग-2 और सामाजिक विज्ञान भाग-2 की किताबें अभी तक उपलब्ध नहीं हैं। इन विषयों की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को डिजिटल सामग्री, पीडीएफ अथवा अन्य वैकल्पिक माध्यमों का सहारा लेना पड़ रहा है। कई अभिभावकों का कहना है कि हर विद्यार्थी के लिए मोबाइल या पीडीएफ के माध्यम से नियमित पढ़ाई करना आसान नहीं है। पाठ्यपुस्तक सामने न होने से बच्चों के अध्ययन की गति भी प्रभावित हो रही है। अभिभावकों ने सवाल उठाया कि जब नया पाठ्यक्रम पहले से निर्धारित था तो उसकी किताबें सत्र शुरू होने के साथ ही उपलब्ध क्यों नहीं कराई गईं। उनका कहना है कि पहले भाग की किताबें भी जुलाई में स्कूल खुलने के समय पूरी उपलब्ध नहीं थीं और अब सितंबर निकलने को है, लेकिन भाग-2 की किताबों का इंतजार जारी है।

दूसरे सेमेस्टर की कैसे होगी पढ़ाई

अभिभावकों की सबसे बड़ी चिंता दूसरे सेमेस्टर को लेकर है। उनका कहना है कि यदि भाग-2 की किताबें दीपावली के आसपास उपलब्ध होती हैं, जैसा कि चर्चा में बताया जा रहा है, तो तब तक दूसरे भाग की कक्षाएं शुरू हो चुकी होंगी। ऐसे में विद्यार्थियों को बिना अधिकृत पाठ्यपुस्तक के पढ़ना पड़ेगा और बाद में कम समय में पाठ्यक्रम पूरा करने का दबाव बनेगा। इसका असर परीक्षा की तैयारी पर भी पड़ सकता है।

अभिभावक यह भी जानना चाहते हैं कि पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं कब होंगी और परीक्षा के बाद दूसरे सेमेस्टर का पाठ्यक्रम पूरा कराने के लिए स्कूलों को कितना समय मिलेगा। बोर्ड की ओर से इस संबंध में जानकारी नहीं मिलने से अभिभावकों में असमंजस बना हुआ है।

शिक्षकों के सामने भी पाठ योजना बनाने की चुनौती

अभिभावकों का कहना है कि किताबों की कमी का असर केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं है। बदले हुए पाठ्यक्रम के कारण शिक्षकों को भी नए विषयवस्तु और अध्यापन पद्धति के अनुसार पाठ योजना तैयार करनी पड़ रही है। ऐसे में भाग-2 की अधिकृत पुस्तक उपलब्ध नहीं होने से शिक्षण कार्य व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना मुश्किल हो रहा है। अभिभावकों के एक समूह ने इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई सचिव से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमाओं को पंडाल में विराजित कर पूजा-अर्चना की जाएगी

चिंतामन गणेश मंदिर में आज से 12 दिवसीय जन्म महोत्सव शुरू, सुबह 4 बजे से महाअभिषेक

गर्भगृह में प्रवेश बंद, सभा मंडप-मूषक हॉल से होंगे दर्शन, दोपहर 12 बजे जन्म आरती के साथ मेले का शुभारंभ, आज 20 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर





ऐतिहासिक श्री चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर में सोमवार गणेश चतुर्थी से श्री गणेश जन्म महोत्सव का शुभारंभ होगा। महोत्सव अनंत चतुर्दशी तक चलेगा और इन 12 दिनों तक मंदिर में प्रतिदिन सामूहिक दर्शन, आकर्षक श्रृंगार और मेले का आयोजन होगा।मंदिर प्रशासन के अनुसार गणेश चतुर्थी पर सुबह 4 बजे से सुबह 6 बजे तक भगवान श्री गणेश जी का महाअभिषेक पूजन चलेगा। इस दौरान दर्शनार्थियों के लिए गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतः बंद रहेगा। दर्शन व्यवस्था सभा मंडप मूषक हॉल से प्रारंभ हो जाएगी। दोपहर 12 बजे भगवान की जन्म महाआरती होगी और इसके साथ ही मेले का विधिवत आरंभ हो जाएगा।प्रतिदिन नया श्रृंगार, झूले और दुकानें बढ़ाएंगी मेले की शोभा अनंतचौदस तक लगातार प्रतिदिन सामूहिक दर्शन होंगे। मेले में बड़े-बड़े झूले, दुकानें और मनोरंजक खेल-तमाशे आकर्षक आयटम मेले की शोभा बढ़ाएंगे। भगवान श्री गणेश का प्रतिदिन विशेष और मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। गणेशोत्सव के दौरान भगवान प्रतिदिन नया रूप बदलेंगे। पहले दिन सोमवार को 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

उल्टा स्वास्तिक बनाकर मांगते हैं मन्नत, पूरी होने पर बनाते हैं सीधा

मान्यता के अनुसार श्रद्धालु भगवान गणेश के सामने अपनी मन्नत के लिए मंदिर की दीवार पर उल्टा स्वास्तिक बनाते हैं और मन्नत पूरी होने के बाद सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। चिंतामन गणेश मंदिर पर हर साल गणेश चतुर्थी के दौरान दस दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करते हैं।

दो जगह रहेगी पार्किंग व्यवस्था

गणेश मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए दो जगह पार्किंग तय की गई है। पहली पार्किंग गणेश मंदिर के मोड़ पर नाले के पास दो व चार पहिया वाहनों के लिए और दूसरी शुगर फैक्ट्री के पास खाली पड़ी जगह पर रहेगी।

घर-घर विराजेंगे गणेश, मिट्टी के गणेश की मांग अधिक : सोमवार को गणेश चतुर्थी पर शहर में उत्साह के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाओं को पंडालों और घर-घर में विराजित कर पूजा-अर्चना की जाएगी। 10 दिनी उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, शहर में आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं।

अधिकतर लोग पर्यावरण को ध्यान में रखकर मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर रहे हैं, जिसे शास्त्रों में शुभ माना गया है। मंगलवार को बाजार में दिनभर आकर्षक प्रतिमाओं को ले जाने का दौर चला, जो आज देर रात तक जारी रहेगा।

त्योहार का कैलेंडर

गणेश स्थापना: 14 सितंबर, सोमवार, शुभ मुहूर्त सुबह 11.02 से दोपहर 1.31 बजे तक
अनंत चतुर्दशी (विसर्जन): 25 सितंबर, शुक्रवार



गणेशोत्सव समितियां अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी, पंडाल की सज्जा करें

सीहोर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झाकियों में बिजली साज-सज्जा कंपनी से अस्थायी कनेक्शन आवश्यक रूप से लेकर ही करें। प्रदेश की सभी धर्म की धार्मिक उत्सव समितियों से विद्युत क्षेत्र की सभी कंपनियों ने अपील की है कि वे धार्मिक आयोजन पूरे उल्लास, तन्मयता और परम्परानुसार मनाएं साथ ही पण्डाल और उसके बाहर मैदान, सड़क पर लगाई जाने वाली बिजली में कम से कम 25 प्रतिशत की बचत कर ऊर्जा संरक्षण में अपना योगदान दें।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें : बिजली कंपनी के पोर्टल http://saralsanyojan.mpcz.in:8888/home पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झाँकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन हेतु लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें। जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

प्राथमिक उपचार की जानकारी हर व्यक्ति के लिए जरूरी, आपात स्थिति में समय पर मदद बन सकती है जीवनरक्षक



सीहोर। शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केंद्र में आयोजित दो दिवसीय विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। शनिवार को जिला अस्पताल में पदस्थ वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरके वर्मा ने केंद्र में मौजूद वृद्धजनों एवं हितग्राहियों को प्राथमिक चिकित्सा के महत्व और आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। किसी बीमार अथवा घायल व्यक्ति को चिकित्सकीय सहायता मिलने से पहले दी जाने वाली तत्काल आपातकालीन देखभाल को प्राथमिक चिकित्सा कहा जाता है। कई बार दुर्घटना या अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में समय पर प्राथमिक उपचार नहीं मिलने के कारण व्यक्ति की जान तक चली जाती है। ऐसे समय में सही तरीके से दी गई प्राथमिक चिकित्सा व्यक्ति की स्थिति को गंभीर होने से रोकने के साथ ही अस्पताल पहुंचने तक उसके जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक चिकित्सा कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति के लिए तत्काल आवश्यक देखभाल का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम होती है, जबकि गंभीर मामलों में यह मरीज को तब तक सुरक्षित रखने में मदद करती है, जब तक चिकित्सा दल या पैरामेडिक्स मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल नहीं ले जाते। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि प्राथमिक चिकित्सा का विधिवत प्रशिक्षण लेना सबसे बेहतर है, लेकिन इसके साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को कुछ बुनियादी जीवनरक्षक तकनीकों की जानकारी भी होनी चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर वह किसी घायल या बीमार व्यक्ति की तत्काल मदद कर सके।

रविवार को कार्यक्रम के दौरान केंद्र के संचालक राहुल सिंह के मार्गदर्शन में मेडिकल स्टाफ द्वारा भी आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. दीपक सहित मेडिकल स्टाफ ने विभिन्न परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार के महत्व और तत्काल सहायता के संबंध में उपस्थित हितग्राहियों को समझाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में केंद्र के हितग्राही एवं वृद्धजन मौजूद रहे।

इंदौर के कार्यक्रम के लिए जिलेभर से करीब 10 हजार छात्रों का रजिस्ट्रेशन कराने का रखा लक्ष्य

कमलेश्वर पटेल और राजीव गुजराती की मौजूदगी में छात्र संवाद, 19 सितंबर को इंदौर पहुंचने का रोडमैप तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



आगामी 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बैठक एवं छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि कमलेश्वर पटेल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश का युवा और छात्र वर्ग अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों के अधिकार, बेहतर शिक्षा, रोजगार के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता और युवाओं के सुरक्षित भविष्य से जुड़े मुद्दों को लगातार मजबूती से उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंदौर में आयोजित होने वाला 'छात्रों की गूंज कार्यक्रम युवाओं और छात्रों को अपनी समस्याएं एवं आकांक्षाएं मजबूती से रखने का मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सीहोर जिले के छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में इंदौर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

10 हजार छात्रों के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य : जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने कहा कि सीहोर जिला कांग्रेस द्वारा इंदौर के कार्यक्रम के लिए जिलेभर से करीब 10 हजार छात्रों का रजिस्ट्रेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को इंदौर ले जाने और कार्यक्रम के बाद वापस सीहोर लाने के लिए वाहनों सहित भोजन आदि की व्यवस्था की जाएगी, ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

वरिष्ठ नेताओं ने भी किया छात्रों का उत्साहवर्धन : कार्यक्रम को पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल एवं नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर ने भी संबोधित किया। उन्होंने बेरोजगारी, पेपर लीक सहित युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाते हुए छात्रों से एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है और छात्रों की जागरूकता से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है।

छात्रों में दिखा उत्साह : छात्र संवाद कार्यक्रम के दौरान कॉलेज छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। छात्रों ने आगामी 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र ठाकुर एवं आभार सीहोर ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम यादव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जगदीश चौहान, प्रीतम दयाल चौरसिया, राजाराम बड़े भाई, राजेन्द्र वर्मा, सुनील दुबे, सीताराम भारती, रमेश गुप्ता, ओमबाबा राठौर, राजेश भूरा यादव, गुलाब बाई ठाकुर, जाहिद गुड्डु, बलवान पटेल, के.के.रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, कमलेश चाण्डक, मनीष मेवाड़ा, नायाब खान, आसिफ अंसारी, कपिल गौर, विनय चौहान, सोनू विश्वकर्मा, मोनू शर्मा, अनुभव सेन, मनोज पटेल, महेश मुंजीखेड़ी, राकेश मेवाड़ा सहित ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, एनएसयूआई युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मंडला ने जबलपुर को 4-2 से हराया

सीहोर। शहर के आवासीय खेलकूद और चर्च मैदान पर संयुक्त रूप से स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की स्मृति में राज्य स्तर अंडर 14 फुटबॉल प्रतियोगिता मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान आयोजन किया जा रहा है। 16 टीमें भाग ले रही है। शनिवार को पहला मैच जबलपुर विरूद्ध मंडला के मध्य खेला गया जिसमें मंडला 4-2 से विजय रही मंडल की तरफ से विवेक ने दो गोल किए शानू ने एक गोल किया मैट्रिक ने एक गोल किया जबलपुर की तरफ से पीयूष ने एक गोल किया आशलन ने एक गोल किया। प्रतियोगिता में दूसरा मैच सिंगरौली-शाजापुर के मध्य 3:00 बजे से खेला गया जिसमें यह मैच एक गोल की बराबरी पर रहा सिंगरौली की तरफ से तनिष्क ने एक गोल किया शाजापुर की तरफ से पीयूष ने एक गोल किया। इस मौके पर जिला फुटबाल एसोसिएशन और जिला खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

तना इल्ली, पीला मोजेक का हमला, बारिश में बेअसर कीटनाशक

सीहोर। जिले में इन दिनों सोयाबीन पर कीटों और बीमारियों का गंभीर प्रकोप देखा जा रहा है। खासकर तना इल्ली का असर तेजी से फैल रहा है। यह इल्ली पौधे के तने के अंदर जाकर उसे काटकर पौधों के विकास को पूरी तरह रोक देती है, जिससे हरे-भरे पौधे मुरझा रहे हैं। इसके साथ ही जिन क्षेत्रों में पानी भराव की समस्या बनी हुई थी, वहां पीला मोजेक का प्रकोप भी व्यापक रूप से दिखाई दे रहा है। पिछले 3 दिन से मौसम खुलने पर किसान दवाओं का छिड़काव कर रहे थे, लेकिन शनिवार दोपहर बाद फिर से तेज बारिश हुई। इससे जिन किसानों ने सुबह दवा का छिड़काव किया था, उन्हें नुकसान हो गया। किसानों का कहना है कि पौधे जब मुरझाने लगे तब समझ आया कि इल्ली ने अटैक कर दिया है। तना इल्ली का इस बार सबसे ज्यादा प्रकोप देखा गया। इसी तरह पीला मौजेक रोग ने भी फसल को काफी नुकसान किया है। पीला मोजेक से फसल को नुकसान भैरूंदा । ग्राम पंचायत राला क्षेत्र के खेतों में सोयाबीन की फसल पीली पड़ती दिखाई दे रही है। क्षेत्र के किसानों गजेंद्र जाट, प्रदीप बजाज, नितिन पटेल, पवन तुवनी और जयपाल भाटी ने बताया कि सोयाबीन की फसल में लगातार पीलापन बढ़ रहा है। ग्राम पंचायत राला के खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति देखी गई, जहां कई खेतों में सोयाबीन पीली पड़ी नजर आई। किसान प्रदीप बजाज ने बताया कि सोयाबीन की 40 फीसदी फसल खराब हो चुकी है और फसल में पीलापन आने का मुख्य कारण खेतों में नमी की कमी है। उन्होंने कहा कि बारिश कम होने से जमीन में पानी नहीं बैठा है, जिससे फसल को आवश्यक नमी नहीं मिल पा रही है।

हरतालिका तीज पर प्रदोष काल में भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की पूजा की जाएगी

हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी आज, शिव आराधना के साथ घर-घर विराजेंगे विघ्नहर्ता

अखंड सौभाग्य और मनचाहे वर की कामना से महिलाएं रखेंगी निर्जला व्रत, दोपहर बाद गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, बाजार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा



इस बार हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी का पर्व एक साथ होने से नगर में सोमवार को धार्मिक उत्साह का रंग दिखाई देगा। एक ओर महिलाएं अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने की कामना से हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखेंगी। वहीं दूसरी ओर घरों और सार्वजनिक पंडालों में विधि-विधान के साथ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापना की जाएगी। रविवार को गणेश प्रतिमाओं की खरीददारी के लिए बाजार में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। देर शाम तक प्रतिमाओं की खरीदारी और साज-सज्जा का सिलसिला चलता रहा। आज सोमवार को

हरतालिका तीज पर सुबह से ही महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करेंगी। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी तपस्या की स्मृति में हरतालिका तीज का व्रत किया जाता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करती हैं, जबकि अविवाहित कन्याएं श्रेष्ठ जीवनसाथी की कामना से यह व्रत रखती हैं। पंडित संजय शर्मा एवं आयुष्मान तिवारी के अनुसार हरतालिका तीज का व्रत दृढ़ संकल्प, आस्था और आत्मबल का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने वन में रेत से शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की कठोर आराधना की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से इस व्रत को महिलाओं के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।

रात में चार पहर होगी शिव-पार्वती की पूजा

हरतालिका तीज पर प्रदोष काल में भगवान शिव, माता पार्वती और गणेशजी की पूजा की जाएगी। कई स्थानों पर बालू रेत अथवा मिट्टी से शिव-पार्वती एवं गणेशजी की प्रतिमाएं बनाकर उनका श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद रात में चार पहर की पूजा का क्रम चलेगा। पूजन में बेलपत्र, शमी, धतूरा, अकाव के फूल, फल-फूल, पंचामृत तथा माता गौरी के लिए सुहाग सामग्री सहित अन्य पूजन सामग्री का उपयोग किया जाएगा। मान्यता के अनुसार रातभर जागरण कर चारों पहर भगवान शिव-पार्वती की पूजा करने से व्रत का विशेष फल प्राप्त होता है। अगले दिन सुबह स्नान एवं पूजन के बाद सुहाग सामग्री का दान कर व्रत का पारण किया जाएगा।

गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़ : गणेश चतुर्थी को लेकर भी नगर में पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही हैं। नगर के विभिन्न मोहल्लों, बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों में आकर्षक पंडाल तैयार किए जा रहे हैं। सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियां झांकियों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। कहीं धार्मिक प्रसंगों पर आधारित झांकियां बनाई जा रही हैं तो कहीं सामाजिक संदेशों को दर्शाने की तैयारी है। नगर परिषद द्वारा सीएम राइज स्कूल के सामने मैदान में गणेश प्रतिमाओं की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है। यहां छोटी प्रतिमाओं से लेकर करीब 8 से 10 फीट तक की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। रविवार को प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए नगर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इससे मूर्ति बाजार में दिनभर चहल-पहल बनी रही। मूर्ति विक्रेताओं मंगल कुशवाह, सोनू लखेरा,शुभम लोया और शंकर प्रजापति के अनुसार इस वर्ष रंगीन एवं पर्यावरण अनुकूल मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं की मांग अधिक है। कई लोगों ने अपनी पसंद के अनुसार पहले से प्रतिमाएं बुक कराई हैं।

पीओपी की मूर्तियों से बचने की प्रशासन की अपील

प्रशासन ने गणेश उत्सव समितियों और श्रद्धालुओं से पर्यावरण अनुकूल मिट्टी की प्रतिमाओं की स्थापना करने की अपील की है। एसडीएम सुधीर कुमार कुशवाहा ने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की प्रतिमाएं जल स्रोतों और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होती हैं। विसर्जन के बाद इनके अवशेष लंबे समय तक पानी में बने रहते हैं और जल की गुणवत्ता प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए श्रद्धालु मिट्टी एवं पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्राथमिकता दें। गणेशोत्सव को देखते हुए पुलिस और प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी तैयारियां की गई हैं। आयोजन समितियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

दोपहर बाद घर-घर होगी गणपति स्थापना

गणेश चतुर्थी पर सोमवार को सुबह से ही घरों में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाएगी। शुभ मुहूर्त में आरती के बाद घरों एवं सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का क्रम शुरू होगा। गणपति स्थापना के साथ ही नगर में दस दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। आगामी दिनों में भजन, आरती, धार्मिक आयोजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से नगर का माहौल भक्तिमय रहेगा।

आज कुबेरेश्वरधाम पर विराजेंगे भगवान गणेश शुद्ध घी के 1100 लड्डुओं का लगाया जाएगा भोग

रविवार को 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए भगवान शिव के दर्शन, अभिषेक और आरती में हुए शामिल



सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में हर साल की तरह इस वर्ष भी गणेशोत्सव और हरतालिका तीज का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर कुबेरेश्वरधाम पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सोमवार को भगवान गणेश की विधि-विधान से स्थापना के साथ गणेशोत्सव का शुभारंभ होगा। वहीं हरतालिका तीज के अवसर पर धाम परिसर में विशेष फूलों का फूलेरा सजाया जाएगा। गणेशोत्सव और हरतालिका तीज को लेकर कुबेरेश्वरधाम पर श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल है। आगामी दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने की संभावना है।

गणेशोत्सव को लेकर विठलेश सेवा समिति की ओर से भगवान गणेश को 1100 शुद्ध घी के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद भोग एवं भोजन प्रसादी का श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया जाएगा। भगवान गणेश की स्थापना धाम परिसर में स्थित मुरली मनोहर मंदिर के नीचे व्यासपीठ के समीप बनाए गए विशेष स्थान पर भव्य रूप से की जाएगी। शाम के समय भगवान गणेश एवं बाबा की विशेष आरती का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हरतालिका तीज को लेकर भी धाम पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पर्व के अवसर पर करीब दो क्विंटल फूलों से भव्य फूलेरा सजाया जाएगा। फूलेरा को आकर्षक रूप देने के लिए विभिन्न प्रकार के फूलों का उपयोग किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु धाम पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करेंगी और भजन-कीर्तन में शामिल होंगी। हरतालिका तीज के अवसर पर महिलाओं द्वारा भगवान शिव एवं माता पार्वती की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना की जाएगी।

गणेशोत्सव की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

सोमवार को होने वाले गणेशोत्सव को लेकर विठलेश सेवा समिति के पदाधिकारियों और सेवाभावी सदस्यों ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सेवकों ने भगवान गणेश की स्थापना, पूजा-अर्चना, भोग एवं प्रसादी वितरण सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। धाम परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं को व्यवस्थित किया जा रहा है। समिति की ओर से बताया गया कि गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश की स्थापना के साथ नियमित पूजा-अर्चना और आरती की जाएगी। श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना में शामिल हो सकेंगे। धार्मिक आयोजन को लेकर धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

रविवार को पहुंचे 30 हजार से अधिक श्रद्धालु

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि रविवार को भी कुबेरेश्वरधाम पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालु धाम पहुंचे और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विठलेश सेवा समिति की ओर से पांच क्विंटल मावे की बर्फी का भोग लगाया गया तथा भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। धाम पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मुरली मनोहर मंदिर में विराजमान भगवान शिव-माता पार्वती, भगवान राम-माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण-राधा के दर्शन किए। इसके बाद श्रद्धालु भगवान शिव के अभिषेक में शामिल हुए। शाम को आयोजित बाबा की आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव की आराधना की।

5 साल की उम्र में घर छोड़ा, श्रीरुद्रधाम सहित 7 आश्रमों की स्थापना की अब हो गए ब्रह्मलीन



सीहोर। जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थान रमगढ़ा स्थित रुद्रधाम आश्रम के संस्थापक एवं छोटे गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध संत 108 श्रीबजरंगगिरी जी महाराज ने भी अपनी देह त्याग दी। उनको रुद्रधाम आश्रम में ही वैदिक रीति-रिवाज के साथ संत-महात्मा, ब्राह्मणों की उपस्थिति में समाधि दी गई। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई एवं हर आंखें नम हो गईं। इससे पहले 30 अगस्त को रमगढ़ा के बड़े गुरुजी श्रीपरमहंसजी महाराज ने भी अपनी देह त्यागी थी। उनको मरदानपुर स्थित आश्रम में समाधि दी गई। अब 28 सितंबर को रमगढ़ा स्थित रुद्रधाम आश्रम में विशाल भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

5 साल की उम्र में छोड़ दिया था घर : बजरंगगिरी जी महाराज ने 5 साल की उम्र में ही घर छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने गुजरात के कच्छ, सीहोर जिले के रमगढ़ा, पांगरा, मरदानपुर, रायसेन जिले के बिसेर, शाजापुर जिले के शुजालपुर एवं नरसिंहपुर के बरमान घाट के पास अलग-अलग 7 आश्रमों की स्थापना की। रायसेन जिले के बिसेर में आश्रम अभी निर्माणाधीन है। इसका नाम उन्होंने अवंतिका धाम रखा था। यहां पर 12 ज्योर्तिलिंगों का निर्माण किया जा रहा है। रमगढ़ा स्थित रुद्रधाम आश्रम की स्थापना वर्ष 2000 के दौरान हुई। इसके बाद से यहां पर लगातार हर वर्ष नवकुंडात्मक महायज्ञ एवं कथाएं होती हैं। इससे पहले वर्ष 1998-99 के दौरान श्रीबजरंगगिरीजी महाराज रमगढ़ा आए थे और उन्होंने यहां पर पहली बार लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया था। इसके बाद लोगों के आग्रह पर वह यहीं पर रुक गए एवं रुद्रधाम आश्रम की स्थापना की। श्रीरुद्रधाम आश्रम से क्षेत्र की पहचान बढ़ी। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु रुद्रधाम आश्रम में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यह स्थान पवित्र कोलार नदी के किनारे इंदौर-भोपाल-होशंगाबाद रोड पर बना हुआ है।

13 दिन में गुरु-शिष्य दोनों हुए ब्रम्हलीन : श्रीरुद्रधाम आश्रम की स्थापना बजरंगगिरीजी महाराज ने की थी। बताया जाता है कि वे बड़े गुरुजी परमानंदजी महाराज के शिष्य थे। उन्होंने 5 वर्ष की उम्र में ही घर छोड़ दिया था। कहां से आए थे इसका जिक्र कभी नहीं किया। इससे पहले 30 अगस्त को परमानंदजी महाराज ने भी शरीर त्याग दिया था। उनका भंडारा कार्यक्रम 15 सितंबर को तय हुआ था, लेकिन अब बजरंगगिरीजी महाराज ने भी देह त्याग दी। श्रीरुद्रधाम आश्रम के कार्यक्रम संचालन समिति के सचिव सीताराम जाट ने बताया कि 15 सितंबर का भंडारा कार्यक्रम निरस्त करके अब 28 सितंबर को विशाल भंडारा कार्यक्रम तय किया गया है। समिति के मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह ठाकुर ने बताया कि 13 दिनों में दोनों गुरुजी का ब्रम्हलीन होना हम सबके लिए दुख की बात है। उनके जाने से आश्रम में खालीपन हो गया। श्रीबजरंगगिरीजी महाराज ने शनिवार रात्रि को करीब 11.45 बजे अपना शरीर त्याग दिया था। वे दो-चार से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन का समाचार क्षेत्र में फैलते ही उनके शिष्य एवं आसपास के क्षेत्र के हजारों लोग आश्रम में एकत्रित हो गए।

अंतिम दर्शन करने उमड़ा आस्था का सैलाब : श्रीबजरंगगिरीजी महाराज के अंतिम दर्शन के लिए क्षेत्र के हजारों लोग रुद्रधाम आश्रम पहुंचे। इस दौरान बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव, युवा नेता कार्तिकेय सिंह चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता गुरुप्रसाद शर्मा, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत, मप्र पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक विकास निगम के अध्यक्ष रवि मालवीय, पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल, लघु वनोपज संघ के पूर्व उपाध्यक्ष रामनारायण साहू, आसाराम यादव, अनार सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में आसपास के क्षेत्र के संत-महात्मा एवं आमजन मौजूद रहे। भारी भीड़ के कारण रेहटी थाना प्रभारी हिमलेंद्र सिंह पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ट्राफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था संभाली, जिससे सड़क जाम जैसी स्थिति नहीं बनी।

गांधी चौक के प्राचीन मंदिर में आज भी कायम है पुरानी आस्था

300 से अधिक साल से विराजमान गणपति पांच पीढ़ियों ने संभाल रखी पूजा की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शहर की गलियों में गणेशोत्सव की तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। जगह-जगह नए पंडाल सज रहे हैं, आकर्षक झांकियां आकार ले रही हैं और बाजार में नई-नई गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी हो रही है। इन सबके बीच नगर के गांधी चौक पर करीब तीन सौ वर्षों से अधिक पुरानी प्राचीन गणेश प्रतिमा की पूजा की परंपरा चली आ रही है। खास बात यह है कि इस मंदिर की पूजा-अर्चना की जिम्मेदारी एक ही परिवार की पांच पीढ़ियां निभा चुकी हैं और वर्तमान में भी जैमिनी परिवार भगवान की सेवा में जुटा है। यह मंदिर भैरूंदा की उन धार्मिक धरोहरों में शामिल है जिन्हें आधुनिक दौर में भी लोगों ने अपनी आस्था के साथ संजोकर रखा है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर जब नगर में जगह-जगह गणपति विराजमान होते हैं, तब गांधी चौक स्थित इस प्राचीन मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ दिखाई देती है।

मकान की नींव खोदते समय प्रकट हुए थे गणपति

मंदिर से जुड़ी स्थानीय मान्यता के अनुसार करीब 300 वर्ष से भी अधिक पहले गांधी चौक क्षेत्र में एक अग्रवाल परिवार के मकान निर्माण के दौरान जमीन की खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान भगवान गणेश की प्राचीन प्रतिमा सामने आई। प्रतिमा मिलने के बाद इसे श्रद्धापूर्वक स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की गई। इसके बाद मंदिर की सेवा का दायित्व वर्तमान पुजारी गोपाल जैमिनी के परिवार के पूर्वजों को सौंपा गया। तब से लेकर आज तक जैमिनी परिवार की पांच पीढ़ियां इस परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं।

इसलिए खास है यहां के गणपति का स्वरूप

इस मंदिर की पहचान केवल इसकी प्राचीनता नहीं, बल्कि यहां विराजमान भगवान गणेश की उत्तरमुखी प्रतिमा भी है। प्रतिमा काले पत्थर की बताई जाती है और उस पर सिंदूर का लेप किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं में उत्तर दिशा को शुभ माना गया है और इसे धन एवं समृद्धि से जोड़ा जाता है। इसी कारण उत्तरमुखी गणेश के दर्शन और पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष विश्वास है। स्थानीय भक्तों का मानना है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना और पूजा से भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है।

हालांकि प्रतिमा की वास्तविक आयु और ऐतिहासिक काल का प्रमाणित निर्धारण अलग विषय है, लेकिन स्थानीय परंपरा और मंदिर से जुड़ी पीढ़ियों की स्मृतियां इसे लगभग तीन शताब्दी पुराना बताती हैं। पुजारी गोपाल जैमिनी के अनुसार वर्षों से मंदिर में पूजा की परंपरा निर्धारित विधि से चली आ रही है। गणेश चतुर्थी पर विशेष पूजन और आरती का आयोजन होता है।

रदोपहर 12 बजे होने वाली आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। आरती के बाद भगवान को लगाया गया भोग प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को वितरित किया जाता है।

बदलता शहर, लेकिन नहीं बदली गणपति की परंपरा

शहर पिछले कुछ दशकों में काफी बदला है। नए बाजार बने, नई बस्तियां विकसित हुईं और गणेश उत्सव मनाने के तौर-तरीकों में भी बदलाव आया। आज बड़े-बड़े पंडालों में विशाल प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और आधुनिक तकनीक से झांकियां सजाई जाती हैं। लेकिन गांधी चौक के इस प्राचीन मंदिर में आस्था का स्वरूप आज भी वही है। यहां न भव्यता की होड़ है और न ही परंपरा को आधुनिकता से बदलने की कोशिश। करीब तीन सौ साल पुरानी प्रतिमा के सामने श्रद्धालु उसी विश्वास के साथ सिर झुकाते हैं, जैसा उनके पूर्वज करते आए होंगे। यही वजह है कि गणेशोत्सव के आधुनिक रंगों के बीच गांधी चौक का यह मंदिर भैरूंदा को उसकी पुरानी धार्मिक पहचान से जोड़ता है।

8 घंटे में ही निपट गए 4208 प्रकरण, 13.02 करोड़ रुपए की समझौता राशि भी वसूली



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शनिवार को तेज बारिश के बावजूद साल की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिला एवं तहसील स्तर पर लगी लोक अदालत में कुल 4 हजार 208 प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति, राजीनामे के आधार पर किया गया।

इन मामलों में कुल 13 करोड़ 2 लाख 547 रुपए की समझौता राशि जमा कराई गई। खास बात यह रही कि न्यायालयों में लंबित 1 हजार 272 प्रकरणों का निराकरण कर 9 करोड़ 41 लाख 74 हजार 832 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। वहीं, न्यायालय में जाने से पहले के 2 हजार 936 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण हुआ। इनमें 3 करोड़ 60 लाख 25 हजार 715 रुपए की समझौता राशि जमा कराई गई।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। सालों से अलग रह रहे दंपती फिर साथ गए कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश वैभव मंडलोई ने दो मामलों में विवाद समाप्त कराया। पहले मामले में वर्ष 2018 में विवाह के बाद पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ गया था। पत्नी अलग रहने लगी थी। लोक अदालत में समझाइश के बाद दोनों ने साथ रहने की सहमति दी। दूसरे मामले में वर्ष 2014 में विवाह हुआ था।

विवाह के करीब 11 साल बाद पति-पत्नी अलग रहने लगे थे। पत्नी मायके में रह रही थी। लोक अदालत में समझाइश के बाद दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया।

पाडली गुसाईं कांड में पुलिस ने किया खुलासा

चोर नहीं, कलयुगी बेटा ही निकला पिता का हमलावर, खर्च के विवाद में सो रहे पिता पर किया था कुल्हाड़ीनुमा हथियार से वार

गांव में रोज भैंस चोरी करने वालों की फैल रही थी दहशत, मारने की बनाई थी प्लानिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा



आरोपी दीपक पुरी





आरोपी का पिता कमल पुरी

मलावर थानांतर्गत आने वाले ग्राम पाडली गुसाईं में शनिवार सुबह चार बजे के आसपास किसान कमल पुरी पर चोरो ने जानलेवा हमला कर दिया था। मामले में मालावर पुलिस ने चंद घंटों में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए घटना का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस के मुताबिक रात के अंधेरे में गांव भैंस चुराने आए अज्ञात चोरों द्वारा हमले की जो कहानी गढ़ी गई थी, वह पूरी तरह मनगढ़ंत और झूठी निकली। कमल पुरी की गर्दन और शरीर पर जानलेवा हमला करने वाला कोई बाहरी बदमाश नहीं, बल्कि उसका सगा बेटा दीपक पुरी ही निकला। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

खर्च नहीं मिलने और पत्नी के मायके जाने से था नाराज

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी बेटे दीपक ने पूछताछ में हमले की खौफनाक वजह का खुलासा किया। उसने बताया कि पिता कमल पुरी उसे रोजमर्रा के खर्च के लिए पैसे नहीं देते थे और आए दिन उसकी पत्नी के साथ झगड़ा करते थे। इसी कलह के चलते तंग आकर उसकी पत्नी मायके चली गई थी। पिता के इस रवैये से दीपक लगातार गुस्से में था और उसने अपने ही पिता को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

रात 2 बजे किया हमला, झूमाझटकी के बाद बेहोश हुए पिता

दीपक ने बताया कि उसने वारदात को सुबह नहीं, बल्कि रात करीब 2 बजे अंजाम दिया था। जब पिता गहरी नींद में सो रहे थे, तभी उसने धारदार हथियार से अचानक उनकी गर्दन पर वार कर दिया। हमले से संभलते हुए पिता और बेटे के बीच कुछ देर झूमाझटकी भी हुई, लेकिन खून से लथपथ होकर कमल पुरी वहीं जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए।

2 घंटे तक देखता रहा पिता की हालत, सांसें चलती देख रचा ड्रामा

वारदात के बाद आरोपी करीब दो घंटे तक मौके पर ही रहा। जब 4 बजे तक भी पिता की सांसें चलती रहीं और वे मरे नहीं, तो दीपक बुरी तरह घबरा गया। उसे लगा कि यदि पिता बच गए तो उसका भेद खुल जाएगा या फिर उसे पिता को बचाना पड़ेगा। खुद को बचाने के लिए उसने तुरंत गांव में पिछले 17 दिनों से चल रही चोरी की वारदातों का फायदा उठाने का मन बनाया। उसने सुबह करीब 4 बजे अपने छोटे भाई को जगाया और चीख-पुकार मचाना शुरू कर दिया कि घर में घुसे अज्ञात चोरों ने भैंस चुराने के दौरान पिता पर हमला कर दिया है।

गांव में भैंस चोरी का 17 दिन से फैला रखी थी दहशत

शोर सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने तुरंत एकत्रित हुए और पुलिस को सूचना दी। 17 दिनों में तीसरी वारदात की खबर से गांव में आक्रोश फैल गया। मौके पर मालावार थाना प्रभारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घायल पिता को नरसिंहगढ़ अस्पताल भेजा। वहां उसकी हालत नाजुक देख भोपाल रेफर कर दिया गया हैं, और इधर जब घटनास्थल का मुआयना किया तो उन्हें किसी बाहरी व्यक्ति के जबरन घुसने के निशान नहीं मिले।

परिजनों की पूछताछ में हुआ खुलासा

जांच के दौरान जब पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की, तो बेटे दीपक की बातों और हाव-भाव पर पुलिस को गहरा शक हुआ। संदेह के आधार पर पुलिस उसे तुरंत थाने ले आई। थाने में मनोवैज्ञानिक तरीके से की गई कड़ी पूछताछ में दीपक अपने ही बयानों में उलझने लगा और पुलिस की सख्ती के आगे टूट गया। उसने कबूल किया कि उसी ने सो रहे पिता पर हमला किया था और फिर चोरी का झूठा ड्रामा रचा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

इनका कहना है...

हमने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कमल पूरी पर हमला करने वाला उसका ही पुत्र दीपक पूरी है, उसने कबूल किया है कि पिता उसको खर्च के पैसे नहीं देते थे और उसकी पत्नी से झगड़ा करते थे इसीलिए उसने अपने पिता पर जानलेवा हमला किया।

-रजनीश सिरोठिया,
थाना प्रभारी पुलिस थाना मालावार।

मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम में जनता से सीधा संवाद

लोग पुलिस से संबंधित किसी भी समस्या को बेहिचक पुलिस के समक्ष रखें: एसपी



हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत पीलूखेड़ी क्षेत्र के गीलाखेड़ा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां क्षेत्रीय विधायक मोहन शर्मा सहित कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने नागरिकों से सीधा संवाद किया।

एसपी ने कहा कि पुलिस से संबंधित किसी भी समस्या को बेहिचक पुलिस के समक्ष रखें। तोलानी ने भूमि विवादों को प्रांरभिक स्तर पर संवाद एवं आपसी सुलह से सुलझाने, सायबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने एवं दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने व शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनविश्वास की अवधारणा के अनुरूप शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन को सरल प्रक्रिया एवं कम से कम खर्च में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड, आधार, समग्र पंजीयन एवं लोक सेवा केंद्रों से प्राप्त आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण की समीक्षा की। साथ ही सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों - कर्मचारियों को अधिक से अधिक फील्ड में पहुंचकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने तथा ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

उत्कृष्ट विवेचना के लिए पुलिस अधिकारी सम्मानित

कार्यक्रम में उप निरीक्षक सुश्री पूजा राठौर को बलात्कार के प्रकरण में प्रभावी विवेचना कर आरोपी को न्यायालय से 20 वर्ष की सजा दिलाने तथा उप निरीक्षक श्री प्रवीण जाट को सुठालिया थाना क्षेत्र के हत्या प्रकरण में प्रभावी विवेचना कर 09 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने पर प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। जनविश्वास अभियान के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्रदान किया गया।

पर्युषण पर्व के दौरान जैन प्रतिमाओं की अंग रचना से अभिभूत हुए समाजजन



भानपुरा/मंदसौर। स्थानीय जैन श्वेताम्बर समाज में आठ दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व चल रहे हैं। इस अवसर पर प्रभु भक्ति के साथ ही तप आराधना भी चल रही है। पर्यूषण पर्व में समस्त समाज जन पूरे उत्साह व धार्मिक भावना के साथ समस्त आयोजनों में शामिल हो रहे हैं। साथ ही प्रतिदिन भलवाडा पार्श्वनाथ मंदिर में जिन शासन सेवक मंडल के बालक बालिकाओं द्वारा भगवान कि प्रतिमाओं कि भव्य अंग रचना श्रंगार किया जा रहा है।

हिन्दी जागरुकता रैली आज निकाली जाएगी

मंदसौर। मप्र हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई के तत्वावधान में अभा साहित्य परिषद जिला इकाई एवं हिंदी प्रेमियों के सहयोग से 14 सितंबर हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रतिवर्षण अनुसार हिन्दी जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जो सुबह 9:30 बजे सरदार पटेल चौराहा से आरंभ होकर भारत माता चौराहा पर संपन्न होगी। सम्मेलन की जिला इकाई के अध्यक्ष वेद मिश्रा सचिव जयेश नागर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ब्रजेश जोशी संयोजक द्वय गायत्री प्रसाद शर्मा सत्येंद्र सिंह सोम अभा साहित्य परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र भावसार,सचिव नन्द किशोर राठौड़ प्रवक्ता नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने हिन्दी प्रेमियों से हिंदी जागरूकता रैली में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

क्रोध नहीं, क्षमा और करुणा से ही संभव है आत्म-कल्याण : आचार्य विवेकचंद्रसागर

आदिनाथ जैन मंदिर में पर्युषण महापर्व पर आयोजित हो रही विशेष धर्मसभा



मंदसौर। नगर के नयापुरा रोड स्थित श्री आदिनाथ जैन मंदिर में पर्युषण महापर्व के अवसर पर विशेष धर्मसभा का आयोजन किया गया। धर्मसभा में कल्पसूत्र के वाचन के दौरान आचार्य श्री विवेकचंद्रसागर सूरी महाराज ने भगवान महावीर के जीवन वृत्तांत का जीवंत वर्णन करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने राजशाही वैभव और विलासिता का त्याग कर वैराग्य का मार्ग चुना तथा कठोर तप-साधना से केवलज्ञान प्राप्त किया। महाराज श्री ने बताया कि सांसारिक भोग-विलास आत्मा के कल्याण का मार्ग नहीं है। आसक्ति से अनासक्ति, राग से विराग, मोह से अमोह, हिंसा से अहिंसा, असत्य से सत्य, परिग्रह से अपरिग्रह तथा प्रवृत्ति से निवृत्ति के मार्ग को अपनाकर एवं दया, क्षमा व करुणा के भावों को जीवन में आत्मसात करके ही आत्मा अपने परम लक्ष्य परमात्मा की ओर अग्रसर होकर मोक्षगामी बन सकती है।

आचार्य श्री ने चंडकौशिक नाग का दृष्टांत देते हुए समझाया कि वह एक अत्यंत क्रोधी और विषैला सर्प था, जो अनेक लोगों को डस चुका था। जब भगवान महावीर उसके क्षेत्र से गुजरे, तो उसने क्रोधित होकर फुंकारा और उन्हें डसने का प्रयास किया। किंतु भगवान ने उसके प्रति रंचमात्र भी क्रोध न दिखाते हुए शांत मन से उपदेश दिया और उसे पूर्व कर्मों का बोध कराया। इससे नाग को पश्चाताप हुआ और उसे आत्मबोध प्राप्त हुआ। इस घटना से यह सीख मिलती है कि क्रोध का उत्तर क्रोध से नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा और क्षमा से ही संभव है। प्रतिकार की भावना से व्यक्ति की मुक्ति संभव नहीं होती, जबकि समभाव, संयम, समता और सहिष्णुता से आत्मा निर्मल एवं पवित्र बनती है। आत्मशुद्धि, विचार शुद्धि और मन की शुद्धि से ही आत्मा परम वैभव को प्राप्त कर सकती है।

शिवना शुद्धिकरण के 142वें दिन नदी से 1 ट्रॉली कचरा निकाला

शिवना की स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी: विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर



शिवना शुद्धिकरण अभियान के तहत रविवार को 142वें दिन भी श्रमदान का क्रम निरंतर जारी रहा। श्रमदानियों ने शिवना नदी के किनारे पहुंचकर सामूहिक रूप से सफाई कार्य किया। इस दौरान नदी के घाटों को धोकर साफ किया गया, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

श्रमदान के दौरान नदी से प्लास्टिक कचरा बाहर निकाला गया। इसके साथ ही नदी के आसपास फैली गाजर घास की भी सफाई की गई। सामूहिक श्रमदान के चलते नदी किनारे का स्वरूप और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर नजर आने लगे। विधायक विपिन जैन ने आमजन से अपील करते हुए कहा की शिवना नदी में किसी भी प्रकार का कचरा, प्लास्टिक, फूल-माला अथवा अन्य सामग्री न डालें। नदी किनारे रखे गए कलश में ही कचरे डालें या निर्धारित एवं उचित स्थान पर ही डालें।

जैन ने आगे कहा कि कि शिवना को स्वच्छ रखना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है और न किसी एक की बस की बात है बल्कि शहर के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जैन ने सभी नगर वासियों से अनुरोध किया कि प्रातः 7 से 9 बजे के बीच श्रमदान करने जरूर आएं। श्रमदान करने वालो में विधायक विपिन जैन, समाजसेवियों में रमेश सोनी,हेमराज खाबिया, भंवरलाल प्रजापत, राकेश जैन पिन्टू, राहुल जेन महिला नेत्रियों में अनीता कोरी, प्रमिला पंवार कांग्रेस जन में सादिक गोरी खलील पठान, तरुण खींची, शैलेंद्र गोस्वामी, राजनारायण लाड़, शैलेंद्र बघेरवाल, दिलीप देवड़ा, विकास दशोरा, विश्वास दुबे, अजय सोनी, रमेश कुमावत, कपिल पंड्या, जयेश पालीवाल, दिनेश जेठानियां, राहुल तिवारी, कैलाश कुमावत, दिनेश चौधरी, राकेश सेन, अकरम खान, आमीन खान, अंसार मेव, नितनेश बसेर, ऋषिराज लाड़ आदि ने श्रमदान में सहभागिता की।

प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी को सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा सुनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिवक्ता भगवतीलाल शर्मा ने बताया कि फरियादी अयान मेवाती एवं अभियुक्त फैजान को बाइक की टक्कर को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दिनांक 2 जुलाई 2025 को शाम को 5 बजे जब फरियादी अयान अपने मित्र शाहरुख की बाइक पर पीछे बैठकर मजदूरी करके वापस अपने घर जा रहा था और जैसे ही वे शुक्ला चौक पहुंचे कि अभियुक्त फैजान दौड़कर पास आया और पुराने विवाद की बात को लेकर फरियादी अयान के साथ चाकू से मारपीट करने लगा, और उसके बाएं हाथ की कलाई, बाजू ,गर्दन व सिर में चाकू से मारा और जब उसके दोस्त शाहरुख ने बचाने का प्रयास किया तो अभियुक्त चाकू लेकर भाग गया। शाहरुख ने फरियादी को सरकारी अस्पताल में भर्ती किया तथा अस्पताल में ही फरियादी अयान द्वारा देहाती नालसी के रूप में थाना शहर कोतवाली पर अपराध पंजीबद कराया। पुलिस ने प्रकरण की विवेचना की। अभियुक्त फैजान से चाकू जप्त किया गया और संपूर्ण अनुसंधान पूर्ण कर पुलिस ने अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में 10 साक्षियों के कथन दर्ज कराए तथा साक्ष्य के आधार पर मामला पूरी तरह से प्रमाणित किया गया। न्यायालय द्वारा अभियोजन पक्ष का संपूर्ण मामला संदेह से परे होना माना गया। न्यायाधीश अनीश कुमार मिश्रा सत्र न्यायालय मंदसौर द्वारा अभियुक्त फैजान पिता फिरोज खा निवासी मदारपुर मंदसौर को 7 वर्ष के सश्रम कारावास व 5000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

मंदसौर के बेसबॉल खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, उज्जैन संभाग को रजत पदक



मंदसौर। छतरपुर में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 बेसबॉल प्रतियोगिता 2026 में मंदसौर जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्जैन संभाग की टीम को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया। मंदसौर के रुद्र खत्री (कप्तान), रणवीर घारू (उपकप्तान), वंश बडसोलिया, गोरांश बैरागी, विराट माटी, अश्विन एवं रणवीर सिंह ने उज्जैन संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व किया और पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। कप्तान रुद्र खत्री ने उत्कृष्ट नेतृत्व एवं शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ पिचर का पुरस्कार भी हासिल किया। वहीं उपकप्तान रणवीर घारू सहित सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन टीम भावना और खेल कौशल का परिचय देते हुए टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। उज्जैन संभाग की टीम के साथ लोक शिक्षण संचालनालय के रेफरी ओमप्रकाश सूर्यवंशी एवं दीपक विश्वकर्मा, दल प्रबंधक महेंद्र शुक्ला एवं टीम मैनेजर महेश रेठा तथा कोच रोशन पठान, विपिन राव, ललिता माली एवं पूजा धाकड़ का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा।

मातृ-शिशु मृत्यु दर की समीक्षा, कम प्रगति वाले ब्लॉक को 1 हफ्ते की मोहलत दी गई

हरिभूमि न्यूज. राजगढ़। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में शनिवार को कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशों पर जिले की मातृ एवं शिशु मृत्यु प्रकरणों की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चैहान ने प्रत्येक प्रकरण की बारीकी से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष तक के 262 शिशु मृत्यु प्रकरण रिपोर्ट हुए हैं, जिनके सटीक कारणों का पता लगाकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही जिले में कुल 5 मातृ मृत्यु प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट और उपचार संबंधी सभी दस्तावेजों के आधार पर विस्तृत समीक्षा की गई। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शेख जलालुद्दीन ने पीपीटी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य टीमों को बुला कर प्रत्येक मातृ मृत्यु प्रकरण की गहन समीक्षा की। समीक्षा में शामिल 5 मातृ मृत्यु प्रकरणों में ब्यावरा से 1 प्रकरण, राजगढ़ से 2 प्रकरण और नरसिंहगढ़ से 2 प्रकरण शामिल थे।

मृतका के परिजनों को भी विशेष रूप से बुलाया गया था। अधिकारियों ने परिजनों से महिला की शुरुआती स्वास्थ्य समस्याओं से लेकर अस्पताल में उपचार मिलने तक के पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और उचित कार्यवाही के निर्देश दिये। शिशु मृत्यु समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य पोर्टल पर कम उपलब्धि दर्ज कराने वाले ब्लॉकों को कार्य सुधारने के लिए एक सप्ताह का अंतिम समय दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य उन गलतियों को चिन्हित करना है जिनके कारण मृत्यु हुई।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर इकाई ने हिंदी दिवस पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ मंदसौर

अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर इकाई द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह सिपानी ने की। समारोह में साहित्यकार प्रमोद रामावत (नीमच) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ. प्रकाश उपाध्याय एवं शायर फजल हयात (जावरा) ने विशेष अतिथि के रूप में मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में पंडित देवेश्वर जोशी, डॉ. उर्मिला तोमर, नरेंद्र सिंह राणावत, डॉ. रवींद्र सोहनी, इंजीनियर दिलीप जोशी, विजय अग्निहोत्री, प्रकाश कल्याणी, मनी शामगढ़वाला, बंसीलाल टाक, अजीजुल्लाह खान, नरेंद्र भावसार, नंदकिशोर राठौर, नरेंद्र त्रिवेदी, अजय डांगी तथा चंदा डांगी सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

हेमा भावसार ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की एवं नंदकिशोर राठौड़ ने परिषद गीत 'भारती की लोकमंगल साधना साकार हो' का गायन किया। मुख्य अतिथि प्रमोद रामावत ने हिंदी भाषा और हिंदुस्तान के सामाजिक सामंजस्य को रेखांकित करते हुए 'मुझको यही जमीन यही आसमान मिले, मरकर दोबारा आऊं तो हिंदी जबान मिले...' मुक्तक के साथ अपनी काव्य प्रस्तुति की शुरुआत की। उन्होंने अपनी गजलों, शेरों और दोहों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जावरा के डॉ. प्रकाश उपाध्याय ने राग मालकंस पर आधारित गीत 'राम नाम लिखता हूं, राम नाम गाता हूं' अत्यंत मधुर शैली में सुनाकर भूरि-भूरि प्रशंसा बटोरी। वहीं, जावरा के शायर फजल हयात ने 'हिंदी ने लहू अपना उर्दू को पिलाया है, यह एक जुबान है जिसे दो माताओं ने पाला है' जैसे अर्थपूर्ण शेरों और गजलों से महफिल में समां बांध दिया।

चरणों की पूजा से ही कई लोगों को असाध्य रोगों से मुक्ति मिली

कचनारा में बाबा रामदेव मेला का आयोजन, दरबार में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नाहरगढ़/मंदसौर



बाबा रामदेव के यूं तो पूरे देश में अनगिनत मंदिर हैं और प्रत्येक मंदिर से आस्था जुड़ी है, किंतु इनमें से कुछ स्थल ऐसे हैं जिन्हें आध्यात्मिक चिकित्सालय माना जाता है। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के कचनारा (नाहरगढ़) गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर टेकरी पर स्थित बाबा रामदेव मंदिर भी कुछ ऐसा ही है। मंदसौर-कयामपुर मार्ग पर मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर प्रमुख सड़क मार्ग पर स्थित कचनारा में धाम वैसे तो बहुत प्राचीन है। यहां वर्षों से चरणों की पूजा होती आई है और चरणों की पूजा से ही कई लोगों को असाध्य रोगों से मुक्ति मिली है। टेकरी पर पूरा परिसर हरियाली से सुसज्जित है। रविवार को विशालतम मेले का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। शनिवार से टेकरी पर श्रद्धालुओं का जमघट लगना शुरू हो गया था।

101 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचते हैं मंदिर

बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण के पूर्व दिशा में प्राचीन समय के पुजारी की समाधि है, जहां माथा टेकने एवं परिक्रमा करने की परंपरा प्रचलित है। ठीक मुख्य गृह एवं समाधि के बीच में यज्ञशाला है, जो कि मूर्ति स्थापना के समय यज्ञशाला बनाकर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को पूर्ण किया गया था। इस महोत्सव की स्मृति में इस यज्ञशाला की स्थापना हुई। दक्षिण दिशा में अलग-अलग समाजों द्वारा धर्मशालाएं बनाई हुई हैं। साथ ही पास में समिति द्वारा एक वृहत भोजनशाला का निर्माण किया गया है। उत्तर दिशा में प्रमुख सड़क मार्ग से लगभग 101 सीढ़ियां चढ़कर मंदिर तक पहुंचा जाता है। प्रमुख मंदिर के बीच एक बाबा की धूनी है, जहां पर भजन-कीर्तन किया जाता है। पिछले कई वर्षों से अखंड ज्योत जल रही है। भादवा सुदी बीज को मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में दूरदराज से श्रद्धालु लौटकर यात्रा व पैदल बाबा के जयकारे के साथ दर्शन करने आते हैं।

1999 में मंदिर जीर्णोद्धार का काम हुआ: वर्ष 1999 में स्थानीय समिति द्वारा मंदिर जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया था। इसके बाद राजस्थान के पिड़वाड़ा गांव के कारीगरों ने मूर्ति स्थापना का काम किया। मूर्ति का भार करीब 2 क्विंटल है। मूर्ति स्थापना वैशाख सुदी पूर्णिमा, 23 मार्च 2005 को हुई थी। मान्यता है कि जिन महिलाओं को संतान सुख नहीं मिलता, वे मंदिर परिसर में स्थित धूनी पर पालने बांधती हैं। वैसे तो मुख्य मेला भादवा सुदी बीज बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव के दिवस पर्यंत रहता है, लेकिन 1 दिन पूर्व व 1 दिन बाद भी श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहता। शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही ओर मेले में व्यापारियो कों उपलब्ध प्लाट पर व्यापारियों द्वारा सुबह से ही दुकानें लगा ली थी।

खबर संक्षेप

पदोन्नत कर्मचारियों का किया सम्मान

आष्टा। नगर पालिका आष्टा में विभिन्न पदों पर पदोन्नत हुए कर्मचारियों के सम्मान में तृप्ति रेस्टोरेंट आष्टा में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वाल्मीकि समाज अध्यक्ष रमेश भामा द्वारा किया गया। समारोह के दौरान नगर पालिका में पदोन्नति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों विनोद सांगते, स्वच्छता उप निरीक्षक; विनोद घेंघट, सहायक ग्रेड-03; राजेश घेंघट, स्वच्छता पर्यवेक्षक; मनोज घेंघट, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं अर्जुन घेंघट, सहायक ग्रेड-03 का पुष्पमाला पहनाकर एवं सम्मान कर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि रायसिंह मेवाड़ा ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के आयोजक एवं वाल्मीकि समाज अध्यक्ष रमेश भामा ने पदोन्नत हुए सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह समाज एवं कर्मचारियों के लिए खुशी का अवसर है। कार्यक्रम में वाल्मीकि महापंचायत के प्रदेश मंत्री राजेश घेंघट, बनवारी लाल पवार, विजय घेंघट, पप्पू खरे, अखिलेश डुमने, जितेंद्र भामा, लखन डुमाने, गोलू घेंघट सहित समाज के अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी पदोन्नत कर्मचारियों का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आयोजित हुआ समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पर्यूषण पर्व के पांचवें दिन धर्मस्थलों पर श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया जन्म कल्याणक

कल्पसूत्र वाचन के साथ भगवान का किया जन्म वाचन, नगर में निकला चल समारोह

सुबह किला मंदिर एवं गंज मंदिर में कल्पसूत्र का वाचन और प्रवचन हुए। इसके बाद चारों आराधना स्थलों पर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का वाचन पन्यास प्रवर विजय महाराज व वीरतेन्द्र महाराज द्वारा किया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



पर्वाधिराज पर्यूषण महापर्व के पांचवें दिन शनिवार को भगवान महावीर स्वामी का जन्म वाचन समारोह नगर के चार प्रमुख जैन धर्मस्थलों पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह किला मंदिर एवं गंज मंदिर में कल्पसूत्र का वाचन और प्रवचन हुए। इसके बाद चारों आराधना स्थलों पर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का वाचन पन्यास प्रवर यशोजीत विजय महाराज एवं वीरतेन्द्र महाराज द्वारा किया गया। भगवान महावीर के जन्म वाचन समारोह की जानकारी देते हुए नरेन्द्र गंगवाल ने बताया कि मालव गिरनार आष्टा तीर्थ श्री नेमिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर किला के उपाश्रय सहित चारों धर्म आराधना स्थलों पर पन्यास प्रवर यशोजीत विजय महाराज साहब एवं वीरेंद्र विजय महाराज साहब ने कल्पसूत्र वाचन के दौरान माता त्रिशला के 14 प्रशस्त महास्वप्नों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर के गर्भ में आने के बाद माता त्रिशला ने ये 14 मंगलकारी स्वप्न देखे। स्वप्नों को लेकर पहले उन्हें चिंता हुई, लेकिन स्वप्न पाठकों ने इनके शुभ फल बताए। महाराज साहब ने बताया कि हाथी, वृषभ, सिंह, लक्ष्मी, फूलों की माला, चंद्रमा, सूर्य, ध्वज, पूर्ण कलश, पद्म सरोवर, समुद्र, रत्न, रत्नमय गढ़ और धूम्ररहित अग्नि सहित 14 स्वप्न तीर्थंकर के आगमन के मंगल संकेत माने गए हैं। इन स्वप्नों के फलस्वरूप सिद्धार्थ महाराजा को बताया गया कि त्रिशला महारानी के गर्भ से ऐसा पुत्र जन्म लेगा, जो कुल की कीर्ति बढ़ाएगा और धर्म का प्रभाव बढ़ाने वाला होगा। वह दान में शूर, संग्राम में पराक्रमी तथा ज्ञान में परिपक्व होगा। वह चक्रवर्ती राजा अथवा धर्म चक्रवर्ती तीर्थंकर बनने की क्षमता रखेगा। स्वप्नों के फल सुनकर सिद्धार्थ महाराजा प्रसन्न हुए और स्वप्न पाठकों का सम्मान खाद्य सामग्री, फल, वस्त्र, माला, मुकुट व अलंकार आदि प्रदान कर किया। इसके बाद उन्होंने त्रिशला महारानी को स्वप्नों का फल बताते हुए कहा कि इन मंगलकारी स्वप्नों के फलस्वरूप वे तीर्थंकर धर्म चक्रवर्ती पुत्र रत्न को जन्म देने वाली हैं। सीमंधर जिनदत्त धाम दादाबाड़ी : कन्नौद रोड स्थित श्री सीमंधर जिनदत्त धाम दादाबाड़ी में दोपहर 1 बजे भगवान महावीर स्वामी का जन्म वाचन हुआ। प्रभावना का लाभ बागमल प्रेमचंद वेदमुथा परिवार ने लिया। महावीर भवन स्थानक : दोपहर 1.30 बजे महावीर भवन स्थानक में जन्म वाचन समारोह हुआ। प्रभावना के लाभार्थी बाबूलाल, अशोक कुमार एवं सौरभ रूणवाल परिवार रहे। महावीर मंदिर गंज : दोपहर 2.15 बजे महावीर मंदिर गंज में भगवान महावीर का जन्म वाचन किया गया। प्रभावना का लाभ इंदरमल, मनोहरलाल एवं अर्पित बोहरा परिवार ने लिया। नेमिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर किला : दोपहर 3.30 बजे किला मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का भव्य जन्म वाचन समारोह हुआ। प्रभावना के लाभार्थी लखमीचंद, राजेंद्र कुमार, विनोद एवं विजय पारख परिवार रहे। भगवान की शानदार अंगरचना चांदमल-सुरेशचंद्र धाड़ीवाल परिवार द्वारा कराई गई। इसके अलावा महावीर स्वामी गंज मंदिर में रात 8 बजे भव्य भक्ति एवं पालना जी का आयोजन किया गया। जन्म वाचन समारोह को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह रहा। चारों धर्मस्थलों पर भगवान महावीर के जन्म कल्याणक का वाचन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।

कराटे प्रतियोगिता में पुष्पा स्कूल बना ओवरऑल विजेता



हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

पुष्पा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आष्टा में रविवार को 7वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सीहोर जिले के विभिन्न विद्यालयों से 300 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुष्पा स्कूल, आष्टा ने ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि सेंट पॉल स्कूल, जावर उपविजेता रहा। विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय दिया।समापन अवसर पर विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुष्पा स्कूल आष्टा के प्रिंसिपल फादर मेलविन सी. जे., सिस्टर सुमा, सिस्टर जैन्शी, सिस्टर रानी, कराटे प्रशिक्षक श्री नन्द किशोर वर्मा एवं शिक्षकगण द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। विद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय प्रबंधन ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी शिक्षकों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, अभिभावकों, प्रतिभागी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 100 से अधिक लोगों की जांच और उपचार

सीहोर। विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धाश्रम एवं नशा मुक्ति केंद्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संकल्प नशा मुक्ति केंद्र, रेडक्रास एवं जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इस दौरान दो दर्जन से अधिक वृद्धजनों की शुगर, बीपी, आंखों सहित अन्य स्वास्थ्य जांचें की गईं, जबकि 100 से अधिक लोगों को दवाइयां उपलब्ध कराकर उपचार किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्र के संचालक राहुल सिंह, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी एवं सनातन सेना के प्रदेश सचिव पवन केवट सहित अन्य लोगों ने स्वागत किया।

चातुर्मास समिति ने अतिथियों का किया बहुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर



महिदपुर रोड पर्यूषण महापर्व के षष्ठम दिवस पर भगवान महावीर के जन्म का एवं बाल्यावस्था का वर्णन किया। माता-पिता द्वारा तीन ज्ञान से युक्त तीर्थंकर भगवान महावीर को मोह के कारण पाठशाला भेजा। जहां पर पल भर में भगवान ने पंडित की सभी समस्याओं का समाधान कर दिया व पंडित प्रभु के चरणों में समर्पित हो गया। जैन समाज मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने बताया कि आज पूज्य साध्वी के दर्शन वंदन व सभी तपस्वियों की सुखदाता पूछने के लिए मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधो संरचना विकास मंडल के अध्यक्ष ओम जैन पधारे साथ ही भाजपा के भगवती प्रसाद जोशी भी उपस्थित रहे। जैन श्री संघ एवं चातुर्मास समिति द्वारा अतिथियों का बहुमान किया गया। सभी 54 तपस्वियों के बहुमान का लाभ स्वर्गीय सुरेश भाई, मंजू बेन, नियति बेन कोचर मावा वाला परिवार वापी एवं शाह नरेंद्र, किरण बेन, वीतराग जैन परिवार वापी द्वारा लाभ लिया। स्नात्र पुजा अंगरचना प्रभावना का लाभ विजय कुमार, पीयूष कुमार बरडिया परिवार एवं प्रवचन प्रभावना का लाभ रमेश चंद, अमित कुमार कोचर मावावाला परिवार व ओम प्रकाश धामोनिया परिवार ने लिया आयोजन में जैन संघ ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

प्रेस वार्ता में निःशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर की दी जानकारी, कई तरह की जांचे होंगी निःशुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर वासियों के लिए एक निशुल्क स्वास्थ शिविर लगने वाला है। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ सम्बंधी परीक्षण निशुल्क किये जाएंगे और यह स्वास्थ शिविर शहर के जानमाने विश्वनीय केयर हॉस्पिटल और इनरव्हील क्लब द्वारा 19 सितंबर को गायत्री मंदिर में आयोजित किया जायेगा।

उक्त कैंसर शिविर को लेकर केयर हॉस्पिटल की संचालिका डॉक्टर अर्चना सोनी और इनरव्हील क्लब की सुनीता सोनी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर पत्रकारों को स्वास्थ शिविर मे होने वाली जांच और निशुल्क इलाज के बारे मे जानकारी दी। केयर अस्पताल की संचालिका डॉ. अर्चना सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की एक विशाल निःशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर इनर व्हील



क्लब एवं अल्फ़ा पैथोलॉजी आष्टा के संयुक्त तत्वावधान तथा श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज व अस्पताल, इंदौर के विशेष सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। डॉ अर्चना सोनी ने बताया कि आज के दौर में बदलती जीवनशैली और खान-पान के चलते महिलाओं में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ तेजी से पैर पसार रही हैं, जो बेहद चिंता का विषय है। लेकिन हमें डरना नहीं है, बल्कि समय पर सही जाँच और जागरूकता से इसका डटकर मुकाबला करना है। आपकी इसी सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, केयर अस्पताल, आष्टा के सौजन्य से 19 सितंबर को महिलाओं के लिए एक विशेष निःशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर का आयोजन 19 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 तक गायत्री मंदिर बस स्टैंड के पास किया जा रहा है, प्रेस वार्ता मे डॉक्टर जीडी सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा महिलाओं को निःशुल्क परामर्श एवं परीक्षण दिया जाएगा।

जिसमें कैंसर रोग विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ, बच्चेदानी के मुंह का कैंसर, स्तन कैंसर, हड्डी एवं जोड़ों के विशेषज्ञ तथा मुख रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएँ देंगे। आगे उन्होंने बताया कि शिविर में मैमोग्राफी, सर्वाइकल कैंसर की जांच, बायोप्सी, पैप स्मीयर-कॉल्पोस्कोपी, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन और शुगर की जांच बिल्कुल निःशुल्क की जाएगी।

लोक अदालत के साथ स्वास्थ शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



न्यायालय परिसर, आष्टा में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार दिनांक 12 सितम्बर को नेशनल लोक अदालत में सर्वप्रथम मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, आष्टा की अध्यक्ष/जिला न्यायाधीश, विजय डांगी व न्यायाधीशमहेश कुमार चैहान, न्यायाधीश प्रीति अग्रवाल, न्यायाधीश मीनाक्षी रावत, न्यायाधीश नेहा तोमर सिंह, न्यायाधीश अमन सुलिया, भारतीय स्टेट बैंक मेन ब्रांच बिन्देश्वर कामत के जावर प्रबंधक हितेन्द्र सिंह रघुवंशी कन्नौद मिर्जी श्री संजय बनाफर कन्नौद रोड प्रबंधक रिंकू मुजालदार कोठरी प्रबंधक मनोज सिंह मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड के उपमहाप्रबंधक रमेश सिंह, भानू तिवारी अधीक्षक यंत्री, विजय पाटीदार बैंक ऑफ इंडिया शाखा प्रबंधक, एवं योगेश पाटीदार, एम.के. कारपेंटर म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखा प्रबंधक, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष कृपाल सिंह ठाकुर ,अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय उच्च न्यायालय म.प्र. जबलपुर द्वारा न्यायिक प्रणाली के कर्मचारीगण अधिवक्तागण एवं अन्य हितधारकों के स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण हेतु मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। सर्वप्रथम जिला न्यायाधीश विजय डांगी द्वारा रक्त नमूना दिया गया, तत्पश्चात कर्मचारीगण, अधिवक्तागण ने अपने-अपने रक्त नमूना दिये गये। लंबित प्रकरणों में न्यायाधीश विजय डांगी के न्यायालय में 96 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गए थे जिसमें से 17 प्रकरण निराकृत हुए 76,50,000/- रूपये का लाभ प्राप्त हुआ। न्यायाधीश महेश कुमार चौहान के द्वारा कुल विद्युत प्री लिटिगेशन के 236 प्रकरण निराकरण के लिए रखे गए थे। जिसमें से राजीनामा अनुसार कुल 236 प्रकरणों का निराकरण हुआ। जिसमें 20,46,307/- रुपये का लाभ हुआ। न्यायालय के कुल 1062 प्रकरण रखे गए थे जिनमें से 35 प्रकरणों निराकरण हुआ जिसमें 51,11,832/- रूपये का लाभ हुआ। न्यायाधीश प्रीति अग्रवाल के न्यायालय में प्री लिटिगेशन के संपत्तिकर/जलकर के कुल 105 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें 4,17,588/- रुपये जमा कराये गये एवं न्यायालय के कुल 65 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गए थे जिसमें से 43 प्रकरण निराकृत हुए तथा 12,65,000/- रूपये का लाभ प्राप्त हुआ। इसी प्रकार न्यायाधीश मीनाक्षी रावत के न्यायालय में बैंक प्री लिटिगेशन के 4 प्रकरण जिसमें से 4 का निराकरण हुआ और 5,70,000/-रुपये राशि राजीनामा अनुसार जमा कराई गई। न्यायाधीश अमन सुलिया के न्यायालय में 30 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गए थे जिसमें से 24 प्रकरण निराकृत हुए तथा 30,89,390/- रुपये का लाभ प्राप्त हुआ।

लगातार 45 दिन 24 घंटे चले भंडारों का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ खाचरोद



ग्राम खामखेड़ा जत्रा के धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा गिट्टी मशीन झरखेड़ी जोड पर रामदेवरा व कुबरेश्वर धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारा खोला गया था । जिसका रविवार को बाबा रामदेव जी की दूज को समापन हो गया। लगातार 45 दिन तक 24 घंटे खामखेड़ा जत्रा के धर्म प्रेमी बांधुओ द्वारा दूर-दूर से पैदल रामदेवरा यात्रा करने वाले भक्तों के लिए चाय नाश्ता भोजन व ठहरने की व्यवस्था की गई।

ग्राम के लोगों द्वारा पूरे तन मन धन से 45 दिन तक भंडारे में सहयोग किया गया। समापन के दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जहां पर बाबा रामदेव जी महाराज की पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें खामखेड़ा, खाचरोद, बलिया बड़घाटी, भील खेड़ी, झरखेड़ी, नानकपुर, कन्नौद शिवजी, लाखु खेड़ी, किल्लौद आदि गांव के लोगों द्वारा प्रसादी ग्रहण की गई। इस भंडारे में ग्राम खामखेड़ा जत्रा के युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा। समस्त ग्राम वासियों ने पूरे तन मन धन से भंडारे में सहयोग किया।

दिगम्बर जैन समाज के पर्यूषण महापर्व 16 सितंबर से होंगे प्रारंभ

पर्यूषण से पहले संतों ने संयम मार्ग अपनाने दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



दस दिवसीय दिगंबर जैन समाज के पर्यूषण महापर्व 16 सितंबर से प्रारंभ होगे। पर्व के पूर्व नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर एवं श्री चंद्रप्रभु मंदिर गंज में रविवार को समाजजनों द्वारा मूर्ति मंजन सहित अन्य तैयारियां की गईं। किला मंदिर स्थित आचार्य विद्यासागर धर्म सभागार में समाधि सम्राट वात्सल्य रत्नाकर मुनिराज भूतबलि सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि सागर महाराज ने आशीष वचन देते हुए कहा कि आष्टा के डाबरी परिवार के सांसारिक अशोक कुमार ने दीक्षा लेकर संयम और त्याग का मार्ग चुना है। यह परिवार के साथ पूरे नगर के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरु का जीवन में विशेष महत्व है। इनके संस्कार और आशीर्वाद से व्यक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन आता है। मुनि सागर महाराज ने कहा कि बैराग्य कभी भी, कहीं भी और किसी भी व्यक्ति के भीतर जागृत हो सकता है। मनुष्य को अपने जीवन को सार्थक करते हुए आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 में अशोक कुमार एवं उनकी पत्नी ने सुबल सागर महाराज से दो प्रतिमाएं धारण की थीं। आज अशोक कुमार ने संयम धारण कर अपना जीवन मोक्षमार्ग को समर्पित किया है। अभेद सागर महाराज ने कहा कि दीक्षा की दृष्टि से अगर्भ सागर महाराज उनसे छोटे हैं, लेकिन वे उन्हें अपने से बड़ा मानते हैं। उन्होंने कहा कि आष्टा के गौरव ने संसार की अपेक्षा संयम, त्याग और तपस्या का मार्ग चुना है। संसार में अनेक लोग सांसारिक उपलब्धियों के पीछे दौड़ते हैं, लेकिन उन्होंने मोक्षमार्ग को चुना। गुरु का आशीर्वाद मिलने से जीवन की दिशा बदल जाती है। उन्होंने समाजजनों से अपनी आत्मा के कल्याण के लिए धर्म और संयम के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

शासकीय सेवक की कर्तव्यनिष्ठा ही उसकी पहचान:कैलाश परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



शासकीय सेवा में समन्वय, संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण भाव से सेवा की समाज द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद भी सराहना की जाती हैं तथा ऐसे शासकीय कर्मचारी व अधिकारी को सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज में याद किया जाता हैं तथा उन्हे सेवा अवधि बाद भी उत्कृष्ट सम्मान समाज में मिलता है। कमलेश राय ने अपनी संपूर्ण सेवा में अपनी कर्तव्यपरायणता एवं सेवाभावना से अपनी एक अलग ही पहचान बनाई। वे आज सेवानिवृत्त अवश्य हो रहे हैं, परंतु उनकी सेवाओं को हमेशा याद किया जावेगा। उक्त आशय के उद्गार पूर्व नपाध्यक्ष ने मध्य प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्ति हुए कमलेश राय के सेवानिवृत्ति समारोह में व्यक्त किए। कमलेश राय ने इस अवसर पर अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, समकालीन कर्मचारियों एवं नागरिको के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होने अपने शासकीय कार्य को हमेंशा सेवा के भाव से निर्वहन किया। अपने विभाग के प्रति पूर्ण निष्ठा रखते हुए समाज में शांति बनी रहे तथा पुलिस का सहयोग पीड़ित पक्ष को मिलता रहे इस दिशा मे काम किया। इस अवसर पर सम्मान पत्र, शाल एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र गंगवाल, सकल हिन्दू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह, जितेंद्र जैन जेके, वीरेंद्र परमार एडवोकेट, परिजन दिनेश राय, रामसेवक राय,सुरेंद्र राय, राहुल राय, रंजीत राय सहित अन्य लोग मौजूद थे।